हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 100 देहरादून, सोमवार, 09 अक्टूबर, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

गृह मंत्री अमित शाह ने सीएम धामी के साथ लिए गए कई अहम निर्णय 3

डीजीपी अशोक कुमार ने स्वदेशी तकनीक के हथियारों का किया अनावरण

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 09 अक्तूबर। 49वीं अखिल भारतीय पुलिस साइंस कांग्रेस के दूसरे दिन उतरखंड पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार ने स्वदेशी तकनीक से निर्मित ड्रोन और हथियारों का अनावरण किया। पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड अशोक कुमार ने वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित एग्जीबिशन में सभी डेलिगेट्स के साथ भ्रमण किया। उन्होंने मेक इन इंडिया योजना के तहत उच्च व स्वदेशी तकनीक से निर्मित स्मार्ट वेपन्स एवं अन्य उपकरणों को पुलिस आधुनिकरण में सम्मिलित करने पर जोर दिया। पुलिस टेक एग्जीबिशन में फॉरेंसिक साइंस, ड्रोन, रॉबोटिक्स, स्मार्ट वेपन्स, आईपी कैमरे, टैलीस्कोप, वायरलेस एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित उपकरणों के स्टॉल लगाये गये हैं। एग्जीबिशन में उत्तराखण्ड पुलिस की ओर से साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन एवं एसडीआरएफ द्वारा भी स्टॉल लगाये गये हैं।

सोशल मीडिया की चुनौतियों पर हुई चर्चा

छठे सत्र में आंतरिक सुरक्षा और सोशल मीडिया की चुनौतियां पर चर्चा हुई। स्पेशल डायरेक्टर आईबी ने कानून व शान्ति व्यवस्था प्रभावित करने वाले प्रदर्शनों पर सोशल मीडिया का प्रभाव व पुलिस के लिए चुनौतियों पर प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों द्वारा अलगाववाद को बढ़ावा देने हेतु सोशल मीडिया का प्रयोग किया जाता है। आतंकवादियों की भर्ती हेतु सोशल मीडिया के चैट रूम्स का उपयोग किया जा रहा है। देश की आंतरिक सुरक्षा को प्रभावित करने एवं विदेश ताकतों द्वारा अपने हितों के लिए निर्धारित एजेंडा फैलाने के लिए भी सोशल मीडिया को माध्यम बनाया जा रहा है।

ये मुख्य कारण बताए

1. सोशल मीडिया के माध्यम से सकारात्मक संदेशों का प्रसारण।

2. पुलिस के स्तर पर फैक्ट चेकिंग युनिट्स की स्थापना।

3. सोशल मीडिया ग्रुपों में सतर्क दृष्टि रखते हुए सक्रिय रहना।

4. सोशल मीडिया पर असामाजिक तत्वों पर ब्लॉकिंग रुल का पालन करना, जिसके लिए आईटी एक्ट प्रावधानों के तहत नोडल अधिकारी की नियुक्ति।

एसएसपी साइबर क्राइम संदीप चौधरी ने दिए टिप्स

एसएसपी साइबर क्राइम संदीप चौधरी (Investigation Centre of Excellence, J&K ने CBRN (Chemical, Biological, Radiological, Nuclear) Threat पर अपने विचार रखते हुए इसकी गंभीरता और परिणामों के बारे में जानकारी दी। गांधीनगर एनएफएसयू असिस्टेंट प्रोफेसर स्वीकार लामा ने क्राउड मनोविज्ञान एवं पुलिस को समझाने और प्रभावी कदम उठाने के बारे में बताया। उन्होंने भीड़ की सामाजिक पहचान, प्रबन्धन में पुलिस की भूमिका, प्रभावी वार्तालाप, सॉफ्ट स्पोकन, भीड़ नेतृत्वकर्ता की पहचान एवं उसको प्रभाव में लेना, भीड़ की सोशल डेमोग्राफी एवं सोशल मीडिया की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला।

चारधाम दर्शनार्थियों का आंकडा 47 लाख के पार : सतपाल महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 अक्टूबर , प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा है कि मानसून समाप्त होने के पश्चात एक बार फिर से चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। पिछले सभी रिकार्ड ध्वस्त करते हुए अभी तक हेमकुंड सहित चारधाम आने वाले तीर्थयात्रियों का आंकड़ा 47 लाख से ऊपर पहुंच गया है। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा है कि चारधाम यात्रा निर्बाध गति से चल रही है, बड़ी संख्या में श्रद्धालु तीर्थ स्थलों के दर्शनों को उत्तराखंड आ रहे हैं।

पिछले सभी रिकार्ड ध्वस्त करते हुए अभी तक चारधाम बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री और हेमकुंड आने वाले तीर्थयात्रियों का आंकड़ा 47 लाख से ऊपर पहुंच गया है। इतना ही नहीं 16 फरवरी 2023 से शुरू हुई जीएमवीएन गेस्ट हॉउसों की बुकिंग का आंकड़ा अब 26 करोड़ 68 लाख 36 हजार 943 रुपये तक पहुंच गया है। महाराज ने कहा कि चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्पष्ट है कि चारधामयात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या इस बार 60 लाख को पार कर सकती है। उन्होंने कहा कि 18 फरवरी 2023 से प्रारम्भ हुये चारधाम एवं हेमकुण्ड यात्रियों के पंजीकरण के तहत अभी तक 6977863 (उनहत्तर लाख सतहत्तर हजार आठ सौ तिरेसठ) यात्री अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। विभिन्न धामों में यात्रियों के पंजीकरण की यदि हम बात करें तो अभी तक केदारनाथ हेतु 23 लाख 92 हजार 541, बद्रीनाथ हेतु 20 लाख 88 हजार 512, गंगोत्री हेतु 11 लाख 63 तिरेसठ हजार 246, यमुनोत्री हेतु 10 लाख 73 हजार 94 एवं हेमकुण्ड हेतु 2 लाख 60 हजार 470 यात्री अपना पंजीकरण करवा चुके हैं।

बस खाई में गिरी, 7 की मौत, कई लोग गंभीर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल, 9 अक्टूबर। नैनीताल में एक बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। यह हादसा नैनीताल कालाढूंगी रोड पर नालनी में हुआ है। बताया जा रहा है कि बस में 40 लोग सवार थे। अभी तक 7 लोगों की मौत की हो गई है। मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। वहीं, घायलों का इलाज चल रहा है। वहीं हताहत होने वालों में पांच महिलाएं भी शामिल हैं। साथ ही हादसे में चालक की भी मौत हो गई। राहत बचाव दल ने 28 लोगों को रेस्क्यू कर लिया है। बस नैनीताल से हिसार जा रही थी। घायलों को रेस्क्यू कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालाढूंगी लाया गया। गंभीर रूप से घायल लोगों को एसटीएच हल्द्वानी रेफर किया गया।

नैनीताल पुलिस की मानें तो कालाढूंगी रोड पर नालनी में एक निजी बस हादसे का शिकार हुई है। जिसमें करीब 40 लोग सवार होने की जानकारी है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस एवं एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान को अंजाम दिया।

नैनीताल एसएसपी प्रहलाद नारायण मीणा ने बताया कि बस में हरियाणा के हिसार के पर्यटक सवार थे। जो नैनीताल घूमने आए थे। हादसा नैनीताल से घूमकर वापस हिसार जाते समय हुआ।

बताया जा रहा है कि बस में शिक्षक, स्कूल के स्टाफ और कुछ बच्चे भी सवार थे। मृतकों में पांच महिलाएं और एक पुरुष शामिल है।

सोनाली पुत्री सुभाष उम्र 23 वर्ष हिसार नौली कलर हरियाणा, पूजा पुत्री लिलू राम उम्र 26, मोनिका पत्नी प्रवीन उम्र 31 वर्ष, मुस्कान पुत्री सुभाष उम्र 21 वर्ष, कमलप्रित कौर उम्र 13 वर्ष, इशिता उम्र 5 वर्ष, विनीता उम्र 28 वर्ष, सोनिया उम्र 26 वर्ष, अमरजीत उम्र 31 वर्ष, रोमिला उम्र 59 वर्ष, गोठान सिंह उम्र 34 वर्ष, प्रियंका उम्र 32 वर्ष, सुनीता उम्र 34 वर्ष, अभिषेक पुत्र निलू राम उम्र 23 वर्ष, शिवेंद्र कौर उम्र 40 वर्ष, कपिल पुत्र उम्र 36 वर्ष, अंकित पुत्र विनोद कुमार उम्र 14 वर्ष, उर्मिला उम्र 35 वर्ष, रोगन पुत्र धर्म सिंह उम्र 33 वर्ष, करीना पुत्र प्रेम कुमार उम्र 23 वर्ष।

ब्लैक डायमंड के नाम से मशहूर है ये फल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 अक्टूबर : दुनिया में एक ऐसी जगह है जहां काले सेब की खेती की जाती है और प्रत्येक सेब की कीमत तकरीबन 500 रुपये होती है। महंगी कीमत के चलते इसे ब्लैक डायमंड कहा जाता है। इस सेब की खेती तिब्बत की पहाड़ियों पर की जाती है। तिब्बत की स्थानीय भाषा में इस सेब को नया नाम से जाना जाता है।

अल्ट्रावॉयलेट रेज की वजह से हो जाते हैं काले

अब यह सवाल उठता है कि आखिर ये सेब काले कैसे हो जाते है तो जैसा की हम जानते है कि तिब्बत ऊंची पहाड़ियों पर स्थित है। ऐसे में यहां पर सूरज की किरणें फलों और फसलों पर सीधे पड़ती है। सूर्य की रोशनी और अल्ट्रावॉयलेट रेज पड़ने की वजह से सेब काले होने लगते हैं। इस सेब की चमक लोगों को अपनी ओर खींचती है। इस सेब का रंग बैंगनी भी हो जाता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, इसके पेड़ पर फल आने में 8 साल तक का समय लगता है। आमतौर पर लाल सेब के पेड़ों में फल तकरीबन 4-5 सालों में आने लगते हैं। लेकिन, काले सेब में फल आने में 8 साल या उससे अधिक का समय लग जाता है। सामान्य सेबों के मुकाबले इसका उत्पादन भी कम होता है। 8 सालों में उगने के बाद इन सेबों की लाइफ स्पैन सिर्फ दो महीने की होती है। माना जाता है कि ये सेब मीठे और कुरकुरे होते हैं, लेकिन स्वास्थ्य के लिए लाल सेबों की तरह फायदेमंद नहीं होते हैं।

लाल सेब के पेड़ में 80% सेब का उत्पादन हर साल होता है। वहीं, काले सेब के पेड़ में सिर्फ 30% ही उत्पादन हो पाता है। जो खेतों से सीधे दूसरे देशों में निर्यात हो जाता है। जिसकी वजह से यह सेब तिब्बत के लोगों को भी भरपूर मात्रा में नहीं मिल पाता। तिब्बत में इसकी खेती 2015 में शुरू की गई थी।

OMG: 87 बार शादी कर चुका हैं ये शख्स, बच्चों की कोई गिनती नहीं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 अक्टूबर : शादी का फैसला हर इंसान सोच-समझ कर लेता हैं क्योंकि यह जीवन में एक बार ही होती हैं। हालांकि कुछ लोगों की जिंदगी में यह एक बार से ज्यादा भी होती हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं जो इतनी बार शादी कर चुका हैं जो आम आदमी की सोच से भी परे हैं। हम बात कर रहे हैं इंडोनेशिया के एक शख्स की जो अब तक 87 बार शादी कर चुका हैं और 88वीं की तैयारी चल रही हैं। आपको लग रहा होगा कि हम झूठ बोल रहे हैं, लेकिन यह बात बिलकुल सच हैं।

हम बात कर रहे हैं इंडोनेशिया के पश्चिम जावा में माजा लींगका के कान की जो 61 साल की उम्र में 88वीं बार शादी करने जा रहे हैं। इतनी ज्यादा बार शादी करने के कारण लोग इन्हें प्लेबॉय किंग कहते हैं। मजे की बात तो ये है कि इस बार वो जिनसे शादी करने जा रहे हैं वो उनकी एक्स वाइफ है।एक रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले जब कान ने इस महिला से शादी की थी तो वह एक ही महीने चली थी। अपनी पूर्व पत्नी को लेकर उन्होंने कहा कि भले ही हमें अलग हुए काफी समय हो गया है, लेकिन हमारे बीच प्यार अभी भी मजबूत है यही वजह है कि हम एक बार फिर से शादी कर रहे हैं।

आपको जानकर हैरानी होगी कि कान की सबसे पहले शादी 14 साल की उम्र में की थी और उस समय उनकी पहली पत्नी उनसे दो साल बड़ी थी। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि मेरे खराब रैवया के कारण मेरा रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं टिक पाया और शादी के दो साल बाद मेरा तालाक हो गया। इस घटना के बाद कान को बड़ा गुस्सा आया और इसके बाद ही उन्होंने एक पर एक शादी करनी शुरू कर दी। कान ने यह भी कहा, 'मैं ऐसा काम नहीं करना चाहता जो महिलाओं के लिए अच्छा न हो। मैं उनकी भावनाओं से खेलने से भी इनकार करता हूं और अनैतिक रिश्ते से अच्छा है कि मैं उनसे शादी कर लूं। आपको जानकर हैरानी होगी कि कान ने भले ही इतनी शादी की हो लेकिन उनके कितने बच्चे इसकी कोई जानकारी नहीं है।

अनोखी नौकरी जिसमें मेहनती नहीं आलसी लोगों की है जरूरत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 अक्टूबर : इस कॉम्पटीशन के जमाने में कोई भी नौकरी पाने के लिए आपको मेहनती और जुझारू होने की जरूरत हैं ताकि आप दूसरों से आगे बढ़कर अपनी जगह बना पाए। कोई भी कम्पनी एक्टिव लोगों को ही काम पर रखना चाहेगी, लेकिन इसके उलट एक हैरान करने वाला मामला सामने आ रहा हैं जहां कम्पनी ने अनोखी नौकरी निकाली हैं जिसमें मेहनती नहीं बल्कि आलसी लोगों की जरूरत हैं। सोशल मीडिया पर इस नौकरी का विज्ञापान खूब वायरल हो रहा हैं जिसने सभी को हैरानी में डाल रखा हैं। आप भी काम करने से कतराते हैं या फिर आपको अपना ऑफिस पसंद नहीं है। या फिर कुछ ऐसा काम चाहता है जहां जाकर आप बस आराम कर सकें तो आपके लिए बहुत अच्छी नौकरी इंतजार कर रही है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही इस नौकरी के लिए उम्मीदवार की योग्यता ना तो कोई डिग्री है और ना किसी खास क्षेत्र में दक्षता बस कैंडिडेट का दुखी, आलसी और कामचोर होना बहुत जरूरी है। आपकों काम करने का मन नहीं है, आप आलसी हैं, आपके भीतर आलस हैं, आप दुखी हैं तो ये नौकरी आपके लिए परफेक्ट है।

दरअसल सोशल मीडिया पर इस

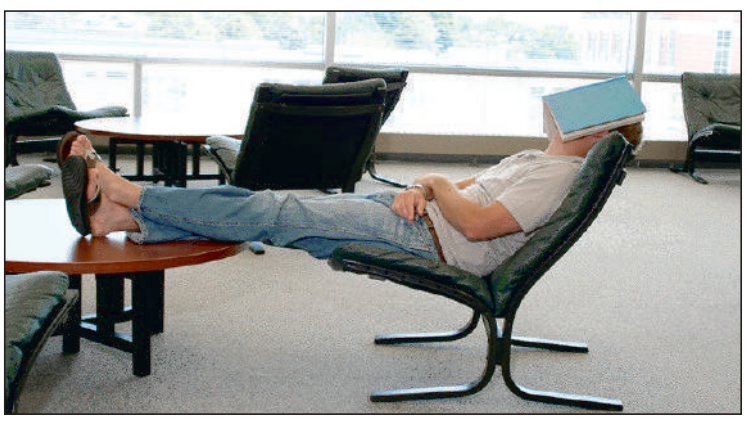

अजीबोगरीब नौकरी का विज्ञापन वायरल हो रहा है। इस नौकरी को देने वाली कंपनी को ऐसे कर्मचारी की तलाश हैं जो आलसी और कामचोर होने के साथ-साथ दुखी भी हों। ट्विटर पर वायरल हो रहे इस नौकरी के विज्ञापन में लिखा है- स्टाफ की जरूरत हैं, जो आलसी और दुखी हों , ताकि वो यहां पहले से काम कर रहे स्टाफ के साथ घुल-मिल सकें। ऐसे उम्मीदवारों को CV के साथ आने के लिए कहा गया है। इस जॉब के लिए सिर्फ एक शर्त रखी गई है कि, उम्मीदवार आने से पहले नहाकर जरूर आएं। खास बात यह है कि, लोग इस जॉब वैकेंसी के विज्ञापन को पढ़कर बहुत खुश हो रहे हैं और ये खूब वायरल हो रहा है। लोग इस पोस्ट पर खूब कमेंट कर रहे हैं। हालांकि इस विज्ञापन में न तो कंपनी का नाम दर्ज हैं न पता लिखा गया है।

यहां दूल्हे को शराब पिलाती है सास तभी होती है जश्न की शुरुआत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 अक्टूबर : मध्य-प्रदेश में बैगा आदिवासियों के यहां होने वाली शादियों में दूल्हे की सास दूल्हे को शराब पिलाती है। ये जानकर शायद आपको हैरानी जरूर हुई होगी लेकिन ये सच है। दरअसल, मध्य-प्रदेश में बैगा आदिवासियों में बारात लेकर पहुंचे दूल्हे को पहले दुल्हन की मां शराब पिलाती है। इसके बाद दूल्हा और दुल्हन एक दूजे को शराब पिलाते हैं।

यहां के बैगा समुदाय की महिलाओं में शराब पीने का खूब प्रचलन है। शादी में दूल्हे को शराब पिलाने को लेकर सभी बड़े उत्साहित रहते हैं। शादी में पहुंचे मेहमानों तो महुए की शराब दी ही जाती है लेकिन यहां दूल्हा-दूल्हन का शराब पीना भी अनिवार्य होता है। यहीं नहीं इनकी शादियों में बहुत कम खर्च होता है। ये लोग शादी के लिए ना तो पंडित को बुलाते हैं ना ही यहां ज्यादा सजावट होती है। लेकिन शराब पीना यहां जरूरी होता है। बैगा आदिवासियों में दहेज प्रथा पूरी तरह बंद है और पारंपरिक लिबास में ही दूल्हा अपनी दुल्हन को ब्याह कर ले जाता है। शादी रचाने और दुल्हन लाने के लिये आज भी पूरी बारात मीलों दूर पैदल चलकर जाती है।

गृह मंत्री अमित शाह ने सीएम धामी के साथ लिए गए कई अहम निर्णय

उत्तराखंड में सहकारिता, आपदा प्रबंधन, गृह विभाग, वाइब्रेंट विलेज की समीक्षा की,

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 अक्टूबर , केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान कई अहम निर्णय लिए गए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि राज्य के समस्त 670 पैक्स में कॉमन सर्विस सेन्टर खोले जाएं। इसके अलावा यह भी निर्णय लिया गया की राज्य के प्रत्येक जनपद में 5 पैक्स में प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र खोले जाएंगे। साथ ही प्रत्येक पैक्स में प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र खोले जाएंगे। यह भी तय हुआ कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक जिले में पांच पैक्स द्वारा जल जीवन मिशन योजना के तहत जलापूर्ति संचालन एवं रखरखाव का कार्य किया जाएगा। साथ ही पैक्स को पेट्रोल एवं डीजल पंप खोलने एवं गैस एजेंसी खोलने के लाइसेंस प्रदान किये जायेंगे। बैठक में मुख्य सचिव डॉ एसएस संधु एवं विभागीय सचिव उपस्थित रहे।

राज्य के समस्त 670 पैक्स में कॉमन सर्विस सेंटर खोलने, जनऔषधि केंद्र खोलने को लेकर दिए निर्देश

जोशीमठ आपदा को लेकर प्राप्त की जानकारी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जोशीमठ आपदा के संबंध में भी राज्य के अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर भारत सरकार द्वारा जो 1845 करोड़ की सहायता राशि जोशीमठ के लिए मंजूर की गई है, उसके लिए उनके द्वारा सहमति प्रदान की गई। इसके अलावा बताया गया कि इसमें 1464 करोड़ का केंद्रीय अंश जल्द ही जारी किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा आपदाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के लिए अर्ली वार्निंग सिस्टम लागू करने को लेकर भी निर्देश दिए गए। सचिव आपदा प्रबंधन द्वारा इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री को अवगत कराया गया कि राज्य द्वारा मल्टी हज़ारडस अर्ली वार्निंग सिस्टम विकसित किया जा रहा है इसका 118 करोड़ का प्रस्ताव बनाकर प्रेषित किया गया है ।इस योजना को विश्व बैंक के द्वारा पोषित किया जाना है।केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा निर्देश दिये गये कि पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित शहरों में जो भवन निर्माण होंगे उनके लिए ईको फ्रेंडली और सतत विकास की अवधारणा के अनूरूप हों, ऐसी भवन उपविधियाँ बनाई जायें ।

पर्वतीय क्षेत्रों में वर्तमान में स्थित शहरों के बाबत पूछे जाने पर सचिव आपदा प्रबंधन द्वारा अवगत कराया गया कि इनका टोपोग्राफिकल, जिओटेक्निकल, जीओलॉजिकल, ज्योग्राफिकल तथा मिट्टी, पानी, कैरिंग कैपिसिटी को लेकर समस्त शहरों का अलग अलग परीक्षण किया जा रहा है। परीक्षण के उपरांत परिणाम आएंगे उनके हिसाब से सबके लिए अलग अलग नियम और विधियां बनाई जाएंगी।

गृह विभाग की भी समीक्षा बैठक

केंद्रीय गृह मंत्री के द्वारा आज सहकारिता विभाग के साथ ही गृह विभाग की भी समीक्षा बैठक ली गई। केंद्रीय मंत्री के द्वारा इस दौरान सीमा प्रबंधन से लेकर आपदा प्रबंधन, आईटी एक्ट, फायर सर्विसेज, जेल विभाग, प्रॉसिक्यूशन इत्यादि की समीक्षा की गई। उन्होंने मॉडल जेल एक्ट, मॉडल फायर बिल को लेकर के सम्बंध में भी चर्चा की। इस दौरान प्रधानमंत्री के थीम एक राष्ट्र, एक यूनिफॉर्म पुलिस के बारे में भी उनके द्वारा चर्चा की गई। पुलिस प्रशिक्षण में एकरूपता को लेकर भी इस दौरान चर्चा की गई। एनडीपीएस और ड्रग्स में प्रभावी कार्यवाही करने के लिए राज्य स्तर और जिला स्तर पर एनकॉर्ड की बैठकें नियमित रूप से करने के निर्देश दिए गए। नेशनल ऑटोमेटेड फिंगर प्रिंट आइडेंटीफिकेशन सिस्टम में अधिक से अधिक अपराधियों का रिकॉर्ड अपलोड करने को भी निर्देशित किया गया।

वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की समीक्षा

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में बताया गया कि राज्य के तीन जनपदों चमोली, उत्तरकाशी तथा पिथौरागढ के 5 विकासखंडों के 51 गांवों को वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत चिन्हित किया गया है। बैठक में अवगत कराया गया कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक वाइब्रेट विलेज की सामान्य सूचना प्रत्येक गावं का प्रोफाइल तथा क्रियाकलापों का केलेन्डर तैयार कर लिया गया है। वर्तमान समय तक तीनो जनपदों के वाइब्रेंट विलेजेज में लगभग 452 क्रियाकलाप पूर्ण कर लिये गये है। सचिव ग्राम्य विकास राधिका झा द्वारा बैठक में अवगत कराया कि राज्य सरकार द्वारा सभी गांवों हेतु वाइब्रेट विलेज एक्सन प्लान तैयार कर लिया गया है उक्त कार्ययोजना की कुल लागत लगभग रू0 75895.52 लाख है जिसमें रू० 58621.518 लाख वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम से रू0 11863.87 लाख विभिन्न केन्द्र पोषित योजनाओं के माध्यम से रू0 5398.63 लाख राज्य सेक्टर से प्रस्तावित किया गया है। यह कार्ययोजना मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली राज्य स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा आवश्यक संशोधनों के साथ अनुमोदन प्रदान कर लिया गया है। कार्ययोजना में मुख्यतः आजीविका विकास से संबंधित कृषि, पशुपालन, आदि योजनाओं के साथ ही पर्यटन विकास की योजनाओं, उर्जा से संबंधित योजनाओं, आंतरिक सड़कों का निर्माण, कौशल विकास के साथ साथ सामुदायिक अवस्थापना सुविधाओं का विकास, स्कूल भवनों का निर्माण एवं स्वास्थ्य संबधित परियोजनाओं विशेष रूप से प्रस्तावित किया गया है।

राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत गृहमंत्री के सम्मुख यह बात रखी गई कि इन सीमान्त गावों के लोग शीतकाल तथा ग्रीष्मकाल में अस्थायी नजदीकी गांव में अस्थायी रूप से पलायन करते है जिसके कारण इन्हे प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत दोनों गांवों में आवास दिया जाना चाहिये जिस हेतु मार्गनिर्देश में शिथिलीकरण किया जाने की आवश्यकता है। साथ ही जल जीवन मिशन के तहत भी इन परिवारों को दोनो गावों में पेयजल की सुविधा दी जाये। गृहमंत्री द्वारा उक्त प्रस्ताव तैयार कर तत्काल केन्द्र को प्रेषित करने के निर्देश दिये गये। उक्त के अतिरिक्त राज्य द्वारा यह भी मांग की गई कि वाइब्रेंट विलेजेज में स्कूल एवं स्वास्थ्य केन्द्रों में आवासीय सुविधा दी जानी आवश्यक है। उक्त प्रस्ताव पर भी गृहमंत्री द्वारा सैद्धान्तिक सहमति दी गयी तथा इस आशय का प्रस्ताव तैयार कर केन्द्र सरकार को तत्काल प्रेषित करने के निर्देश दिये गये। बैठक मे अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री राधा रतूडी, सचिव ग्राम्य विकास राधिका झा तथा अपर सचिव ग्राम्य विकास एवं नोडल अधिकारी वी०वी०पी० नितिका खण्डेलवाल आदि उपस्थित रहे।

दशहरा महोत्सव को भव्य रूप में मनाने को तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

अल्मोड़ा, 9 अक्टूबर । अल्मोडा दशहरा महोत्सव को भव्य रूप में मनाने के लिए रविवार को नगरपालिका सभागार में एक बैठक आयोजित की गई। दशहरा समिति अल्मोड़ा द्वारा आयोजित बैठक में 14 पुतलो के नाम पर सहमति बनी है। जिसमें रावण, अक्षय कुमार, ताडिका, दूषण, कालकासुर, मारीच, कुण्ड, मकरासुर, त्रिसरा, खर, मायासुर, अहिरावण, अतिकाय, धूमराक्ष आदि हैं। बैठक में पुतलादहन के लिए दो जगह चिन्हित की गई हैं जिसमें पोस्ट आफिस के सामने या जूलॉजी ग्राउण्ड में पुतला दहन किया जाएगा। कमेटी द्वारा निर्णय लिया गया है कि प्रत्येक पुतला कमेटी को पुतला निर्माण के लिए 3100 रूपया रजिस्ट्रेशन के समय दिए जाएंगे। दशहरा महोत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रम जीआईसी ग्राउण्ड में होंगे। बैठक में हरीश कनवाल मुख्य संयोजक, अजीत सिंह कार्की अध्यक्ष, दीपक साह, संजय साह रिक्खू, अशोक पाण्डे उपाध्यक्ष, वैभव पाण्डेय सचिव, शरद अग्रवाल, सूरज वाणी, उज्जवल जोशी उपसचिव, कृष्णा सिंह, मनोज वर्मा, सुनील जोशी सह संयोजक, मनोज जोशी मुख्य सांस्कृतिक संयोजक, नीरज बिष्ट, दीपक कुमार सह सांस्कृतिक संयोजक, हर्षित टम्टा, सलमान अंसारी सोशल मीडिया प्रभारी, आशीष गुरूरानी, हितेश नेगी प्रचार प्रसार प्रमुख, दीप जोशी, राजेंद्र तिवारी कोषाध्यक्ष, कैलाश गुरुरानी, अमरनाथ नेगी, मनीष जोशी, सुशील शाह, कार्तिक शाह, अर्जुन बिष्ट एवं समस्त पुतला समितियों के अध्यक्ष और सचिव उपस्थित थे।

कॉकटेल की परंपरा खत्म करने को अपने घरों से करनी होगी शुरुआत : त्रिवेंद्र

ऋषिकेश, 9 अक्टूबर । पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि कॉकटेल को बंद करने की शुरुआत हमें अपने घरों से करनी होगी। इसके साथ ही रक्तदान, नेत्रदान, अंगदान और शरीर दान के लिए आगे आना होगा। रविवार को रानीपोखरी स्थित एक वेडिंग प्वाइंट में राष्ट्रीय जन चेतना संस्थान ने सम्मान समारोह आयोजित किया। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जन चेतना संस्थान की ओर से जो घर-घर फौजी हर घर फौजी अभियान चलाया जा रहा है, यह पहल बहुत अच्छी है। आज के लोग भगत सिंह को तो अच्छा मानते हैं, मगर यह नहीं चाहते कि हमारा बच्चा भगत सिंह बने। अगर हम कॉकटेल को बंद करने की शुरुआत करते हैं, तो पहले अपने घर से इसकी शुरुआत करनी पड़ेगी। तभी हम दूसरों को इसके लिए बोल सकते हैं। हमें रक्तदान, नेत्रदान, अंगदान और शरीर दान करना चाहिए। उन्होंने कोरोना काल में मदद करने वालों और पहाड़ी क्षेत्रों में अपनी सेवा देने वालों को सम्मानित किया। मौके पर विधायक बृज भूषण गैरोला, महिला आयोग अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, राष्ट्रीय जन चेतना संस्थान अध्यक्ष विक्रम सिंह भंडारी, ग्राम प्रधान सुधीर रतूड़ी, राजन गोयल, मंडल अध्यक्ष अरुण शर्मा, नरेंद्र नेगी, अभिषेक, क्षेत्र पंचायत सदस्य जीवन चौहान, सुनील यादव, विजय भट्ट, दिनेश सजवान, ईश्वर रौथान, सतीश सेमवाल, मनोज रावत आदि उपस्थित रहे।

मसूरी में श्रीमद्भागवत कथा यज्ञ में शामिल हुए मंत्री जोशी

मसूरी, 9 अक्टूबर । राधाकृष्ण मंदिर में अजय उनियाल स्मृति न्यास के तत्वाधान में आयोजित भव्य श्रीमद भागवत कथा में मंत्री गणेश जोशी शामिल हुए। उन्होंने पूर्णाहुति में हिस्सा लिया। इस मौके पर विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। राधाकृष्ण मंदिर में आयोजित श्रीमद भागवत कथा सफलता पूर्वक हवन की पूर्णाहुति के साथ संपन्न हो गया। कथा व्यास प.कपिल देव शास्त्री ने अंतिम दिन की कथा को सुनाया। वहीं इस मौके पर शहर के विभिन्न संस्थाओं से जुड़े लोगों को पटका पहना कर सम्मानित किया गया। कथा में मौजूद प्रदेश के कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि अजय उनियाल की स्मृति की याद में की गई श्रीमद भागवत कथा को सुनने व सीखने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि अगर आज हमारी संस्कृति व धर्म जिंदा है तो व्यास पीठ पर बैठे ऐसे आचार्यों से व भक्तों से संस्कृति बची है वरना एक दिन ऐसा आयेगा कि हमारी संस्कृति समाप्त हो जायेगी। उन्होंने कहा कि धर्महीन मनुष्य पशुओं के समान होता है। ऐसे में ऐसे धर्मगुरू धर्म संस्कृति को जिंदा रखने का कार्य कर रहे हैं वहीं भक्तों को होना भी जरूरी है अगर भक्त नहीं होंगे तो कथा का श्रवण कौन करेगा। कथा व्यास प. कपिल देव शास्त्री ने कहा कि आयोजक बंधुओं ने अजय उनियाल स्मृति न्यास के माध्यम से जो यज्ञ संपन्न हुआ ऐसे में दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे व सभी भक्तों का मंगल हो। इस मौके पर मंत्री गणेश जोशी की पत्नी निर्मला जोशी, राकेश रावत, पूर्व मंडल अध्यक्ष मोहन पेटवाल, उपाध्यक्ष अरविंद सेमवाल, पूर्व पालिकाध्यक्ष मनमोहन सिंह मल्ल, ओपी उनियाल, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष गीता कुमाई, सतीश ढौंडियाल, भरत कुमाई, अनिल गोदियाल, नरेंद्र पडियार, देवेंद्र उनियाल, सुनील बक्शी, रजत अग्रवाल, आचार्य सुनील नौटियाल, मस्तराम नौटियाल, संजीत लेखवार संदीप जोशी, विनोद कंडारी, सोबन सिंह पंवार, निखिल बहुगुणा, चिरंजीव जोशी आदि मोजूद रहे।

क्या आप भी डिनर के बाद कुछ खाते हैं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 अक्टूबर , हमें अक्सर डिनर के बाद कुछ न कुछ खाने की इच्छा होती है। खासतौर से जो लोग देर रात तक जागते हैं, वे खाने की क्रेविंग होने पर दही, फल, पॉपकॉर्न, चिप्स, नमकीन का सेवन कर लेते हैं। हां, अगर आप कुछ हेल्दी खा रहे हैं, तो बात अलग है, लेकिन अगर आप रात के खाने के बाद भी अनहेल्दी चीजें खाने का मन होता है, तो यह मामला समय का नहीं, बल्कि फूड क्वालिटी का है। जहां अनप्रोसेस्ड फूड आपके मूड, स्लीप साइकिल, एनर्जी को बूस्ट करते हैं, वहीं प्रोसेस्ड फूड आपकी नींद डिस्टर्ब करने और वजन बढ़ाने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में रात के समय खाने पर अंकुश लगाना बहुत जरूरी है। यहां कुछ तरीके दिए गए हैं, जिससे आपको डिनर के बाद कुछ भी खाने का मन नहीं करेगा और आप बीमारियों से भी बचे रहेंगे।

प्रोटीन और फाइबर से भरपूर फूड खाएं

अगर आपको डिनर के बाद भी कुछ ना कुछ खाने की आदत है, तो डिनर में प्रोटीन और फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ खाएं। ये दोनों ही पोषक तत्व हमें लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराते हैं, जिससे बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती।

ब्रश करें

अगर आपको पता है कि आप देर रात तक जागने वाले हैं, तो डिनर के तुरंत बाद ब्रश कर लीजिए। दरअसल, जब एक बार हम ब्रश कर लेते हैं, तो कुछ भी खाने का मन नहीं करता। हमें लगता है कि दांत गंदे हो जाएंगे। अक्सर जो लोग रात में दोबारा ब्रश करने से बचते हैं, वो यह तरीका जरूर अपनाएंगे।

खुद को व्यस्त रखें

रात के खाने के बाद किचन को पूरी तरह से बंद कर दें। इसके बाद आप किसी एक्टिविटी में इंवॉल्व हो सकते हैं। जैसे बच्चों के साथ गेम खेले, परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत करें, दोस्तों के साथ टहलने निकल जाएं, गाने सुनें या फिर कोई ऐसी किताब पढ़ें, जिसे पढ़ते पढ़ते रात हो जाए और आपको नींद आ जाए। ध्यान रखें, इस दौरान टीवी से दूर रहें। क्योंकि इसमें आने वाले विज्ञापन हमारी भूख बढ़ाते है और खाने की लालसा पैदा करते हैं।

नींद को प्राथमिकता दें

कई स्टडीज बताती हैं कि नींद की कमी हमें हाई कैलोरी वाले खाद्य़ पदार्थ खाने के लिए मजबूर करती हैं। इसलिए डिनर के बाद कोई ऐसी एक्टिविटी करें, जिसके बाद आप थका हुआ

महसूस करें और आपको फटाफट नींद आ जाए।

प्रोसेस्ड फूड खरीदने से बचें

देर रात तक जागने के बाद कुकीज, चिप्स, बिस्किट जैसे प्रोसेस्ड की तरफ हमारी क्रेविंग बढ़ जाती है। ये सभी चीजें न केवल कैलोरी बढ़ती है, बल्कि वेट गेन के लिए भी जिम्मेदार हैं। इसलिए ऐसे प्रोसेस्ड फूड को खरीदने से बचें। अगर खरीद रहे हैं, तो ऐसी जगह पर रखें, जहां आपकी निगाह बहुत जल्दी ना पड़ती हो।

शोर से दूर रहकर कर सकते हैं साइलेंट वॉक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 अक्टूबर , क्या आप भी उन लोगों में से हैं, जिन्हें हेडफोन लगाकर वॉक करने की आदत है। या फिर आप किसी वॉकिंग फ्रेंड की तलाश करते हैं। अगर हां, तो बता दें कि यह इस फिजिकल एक्सरसाइज के फायदे पाने का अच्छा तरीका नहीं है। साइलेंट वॉक हेल्थ के लिए तो वरदान है ही, साथ ही आपकी मेंटल और इमोशनल हेल्थ पर सकारात्मक प्रभाव भी डालती है। रोजाना 30 मिनट तक इस तरह से चलने से मॉडर्न लाइफ में बढ़ रहा मेंटल स्ट्रेस काफी हद तक दूर हो जाता है। इतना ही नहीं यह तनाव से छुटकारा पाने और अपनी भावनाओं को महसूस करने का नायाब तरीका भी है। तो चलिए जानते हैं इस लेटेस्ट वायरल वर्कआउट ट्रेंड के बारे में।

क्या है साइलेंट वॉक

जैसा कि नाम से पता चलता है कि इस तरह की वॉक शांत जगह पर और पूर्ण शांति के साथ की जाती है। इस दौरान आप आसपास के शोर से दूर अपनी सांसों पर ध्यान दे सकते हैं। आसपास सुनाई देने वाली पानी और पक्षियों की आवाज आपको ऊर्जा और पोषण दे सकती है। इसके अलावा यह आपके असंतुलित हो रहे हार्मोन को भी नियंत्रित कर सकती है। चुपचाप पैदल चलने से न केवल मास्तिष्क का विकास होता है बल्कि मन को दुनियाभर की उलझन से दूर शांत करने में मदद मिलती है।

साइलेंट वॉक के फायदे

कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ के लिए अच्छी

शारीरिक स्वास्थ्य की बात करें, तो साइलेंट वॉक करने से मांसपेशियों में ब्लड सर्कुलेशन और ऑक्सीजन डिलीवरी बढ़ती है, जिससे हृदय स्वस्थ रहता है।

इमोशन्स हो जाते हैं कंट्रोल

अगर आप बहुत ज्यादा इमोशनल व्यक्ति हैं, तो साइलेंट वॉक आपके लिए बहुत फायदेमंद है। रोजाना 10-15 मिनट की वॉक करके आप अपनी भावनाओं पर काबू पाना सीख सकते हैं।

तनाव दूर करे

साइलेंट वॉक तनाव को आपकी लाइफ से बाहर कर सकती है। यह फोकस में सुधार करने का शानदार तरीका है। अगर आप साइलेंट तरीके से पैदल नहीं चल सकते, तो शुरुआत 10-15

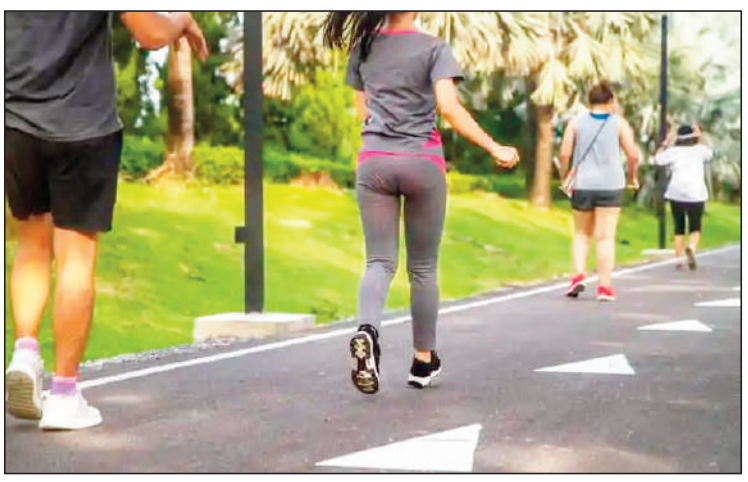

मिनट टहलने से करें।

डिजिटल डिटॉक्स

आज टेक्नोलॉजी हमारे जीवन पर हावी हो गई है। इसने न केवल हमारी सोचने की क्षमता को कम कर दिया है बल्कि एकाग्रता में भी कमी लाई है। इस वक्त डिजीटल दुनिया हमारे दिमाग पर ब्रेक लगाने का काम कर रही है। ऐसे में रोजाना साइलेंट वॉक करके आप डिजीटल दुनिया से दूर रह सकते हैं। इसके बाद देखिएगा कैसे आप मन के भीतर शांति का अनुभव कर पाएंगे।

स्लीप क्वालिटी में सुधार करे

कुछ देर की शांति मस्तिष्क के विकास को बढ़ावा देती है। तनाव भी कम होता है, जिससे हम बहुत हल्का महसूस करते हैं। जब ऐसा होता है, तो नींद की गुणवत्ता में सुधार हो जाता है।

साइलेंट वॉक करने के टिप्स

साइलेंट वॉक घर से बाहर किसी शांत जगह पर करनी चाहिए।

साइलेंट वॉक लंबी होना जरूरी नहीं है। मात्र 10-15 मिनट में ही सकारात्मकता का भाव पैदा हो सकता है।

घर से निकलने से पहले प्यास और भूख जैसी बुनियादी जरूरत को ध्यान रखें, ताकि आपका ध्यान न भटके।

वॉक करते समय अपनी भावनाओं और आसपास की खूबसूरती पर ध्यान देना चाहिए।

कैसे करें साइलेंट वॉक

साइलेंट वॉक करने के दौरान कोशिश करें कि नंगे पैर घास पर चलें। अपने पैरों के नीचे की फीलिंग को महसूस करें। ऊपर आसमानों को देखते हुए चलें। बादलों की ओर देखें, पक्षियों की चहचहाहट सुनें। अगर अपने आसपास कोई खूबसूरत फूल दिखे तो उसे छूएं और महसूस करें। यह माइंडफुलनेस का हिस्सा है, जो आपको एकाग्रता की ओर ले जाता है।

ऐसे करना चाहिए ब्रश पढ़िए सही तरीका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 अक्टूबर , दुनिया का हर इंसान सुबह उठने के बाद सबसे पहले एक कॉमन काम करता है. ज्यादातर लोग सुबह उठने के बाद ब्रश करते हैं. रातभर मुंह में और दांतों में जमा बैक्टीरिया हटाने के लिए लोग ब्रश करते हैं. दांत पर जमा इनेमल को ब्रश करते हुए हटाया जाता है. लोग ब्रश के ऊपर अपनी पसंद का पेस्ट लगाते हैं और दांतों की सफाई करते हैं. लेकिन अब एक डेंटिस्ट ने बताया कि ज्यादातर लोग गलत ढंग से ब्रश करते हैं. जब एक शख्स हंसता है तो सबसे पहले जिस चीज पर उसकी नजर जाती है वो है दांत ... वर्ल्ड स्माइल डे पर एक डेंटिस्ट ने लोगों को बताया कि ब्रश करते हुए कैसे वो एक बड़ी गलती करते हैं? क्या आप भी इस मिस्टेक को करने वालों में शामिल है.

कई लोग करते हैं ये गलती

अगर आप भी अपने दांत से प्यार करते हैं तो ये खबर आपके लिए है. अपने दांत साफ़ रखना तो आसान है लेकिन कई लोग ब्रश करने के बाद अपने मुंह को पानी से साफ़ कर लेते हैं. लेकिन

डेंटिस्ट के मुताबिक़, ब्रश करने के बाद कभी भी पानी से मुंह कुल्ला नहीं करना चाहिए. यूके के NHS डेंटिस्ट ने लोगों को ओरल हाइजीन के और भी कई उपाय बताए.

ऐसे करना चाहिए ब्रश

डेंटिस्ट ने बताया कि आपको दिन में दो बार फ्लोराइड पेस्ट से ब्रश करना चाहिए. एक बार सुबह और एक बार रात. कम से कम दो मिनट तक ब्रश करना चाहिए. जिस पेस्ट के बॉक्स पर 1350 पर मिलियन फ्लोराइड हो, उसी पेस्ट का इस्तेमाल करना चाहिए. डेंटिस्ट्स के मुताबिक़, ब्रश करने के आधे घंटे तक खाना नहीं खाना चाहिए. साथ ही ब्रश करने के बाद पानी से कुल्ला नहीं करना चाहिए. इससे पेस्ट में मौजूद फ्लोराइड धुल जाता है. जबकि दांतों को सबसे ज्यादा फायदा इसी से होता है.

कपल्स के रोमांस पर खटमलों का हमला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 अक्टूबर , दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं जो अपने रोमांटिक नेचर के लिए जानी जाती है. कुछ जगहें एडवेंचर के लिए मशहूर होती है. ऐसे लोग जिन्हें लाइफ में चैलेंज पसंद है, वो इन जगहों पर जाना पसंद करते हैं. कुछ को नेचर की शांति पसंद होती है. वो शांत जगहों पर, जहां कम भीड़ हो, वहां जाते हैं. ठीक उसी तरह कुछ ऐसी जगहें हैं, जहां कपल्स को काफी रोमांटिक फील होता है. अपनी लव लाइफ में मसाला ऐड करने वो इन जगहों पर जाना प्रेफर करते हैं.बात अगर रोमांटिक जगहों की कर रहे हैं, तो इसमें पेरिस का जिक्र कैसे नहीं किया जा सकता है. पेरिस को रोमांस के लिए आइडियल डेस्टिनेशन माना जाता है. वहां जाने वालों का कहना है कि पेरिस की हवा में ही रोमांस है. यहां आने के बाद कपल्स के बीच की सारी टेंशन छू हो जाती है और सिर्फ बच जाता है प्यार ही प्यार. लेकिन इन दिनों ये रोमांटिक टूरिस्ट डेस्टिनेशन अजीबोग़रीब समस्या से जूझ रहा है. यहां बेड बग्स यानी खटमलों ने हमला कर दिया है

ना करें ट्रिप प्लान

जी हां, इस रोमांटिक शहर में इन दिनों खटमलों का हमला जारी है. शहर के लगभग हर होटल, रेस्त्रां और यहां तक कि सिनेमा हॉल में भी खटमल भारी मात्रा में मौजूद दिखाई दे रहे हैं. ये अपने सम्पर्क में आए हर इंसान को काट रहे हैं. समस्या इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि अब अधिकारियों को इसके सॉल्यूशन के लिए आगे आना पड़ा है. सोशल मीडिया पर इस फ्रेंच सिटी की समस्या का वीडियो काफी वायरल हो रहा है. यहां आने वाले टूरिस्ट्स इनसे परेशान होकर अपनी ट्रिप बीच में ही कैंसिल कर रहे हैं.

राष्ट्रपतियों को सीक्रेट कोड नाम देती है अमेरिकी खुफिया एजेंसी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 अक्टूबर , जब भी कोई संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति बनता है तो उसको कई फायदे मिलते हैं और काफी पॉवर्स भी. उनके कुछ सीक्रेट्स भी होते हैं. हर अमेरिकी राष्ट्रपति का एक असली नाम होता है तो उसको एक सीक्रेट सर्विस कोड नाम भी मिलता है. खुफिया एजेंसी के लोग उनके इसी नाम का इस्तेमाल करते हैं. ये नाम कई बार बहुत अजीब भी होते हैं.

लांसर - जब 60 के दशक में जॉन एफ कैनेडी अमेरिका के प्रेसीडेंट बने तो उनका सीक्रेट कोड नाम लांसर था. उनके प्रशासन की तुलना अक्सर कैमलॉट से की जाती थी, जो अमेरिकी इतिहास में एक प्रसिद्ध शूरवीर था. इसी तरह प्रथम महिला जैकी कैनेडी को लेस के नाम से जाना जाता था. (file photo)

डेकन - ये अमेरिका में धार्मिक आस्था को जताने वाला नाम है, जो खुफिया एजेंसियों ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर के लिए तय किया. बैपटिस्ट चर्च में लंबे समय तक सक्रिय रहने के बाद, उन्होंने राष्ट्रपति बनने के बाद भी संडे स्कूल में पढ़ाना जारी रखा. (file photo)

ईगल - ईगल यानि गरुड़. बिल क्लिंटन को खुफिया एजेंसियों ने ये सीक्रेट कोड नाम दिया, जो एक शिकारी पक्षी है. कुछ लोगों ने अनुमान लगाया कि शायद ये कोड नाम उन्हें इसलिए दिया गया, क्योंकि वह ईगल स्काउट संगठन के आला पद पर रह चुके थे. वैसे ये कोड नाम देश के सर्वोच्च पद पर आसीन किसी व्यक्ति के लिए काफी सही माना गया. (courtesy - white house)

इनोवेटर - राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू.बुश को इनोवेटर कोड नाम मिला, जिसका मतलब होता है, हमेशा नई तरह के कामों को अंजाम देने वाला. इसे भी काफी अच्छा कोड नाम माना गया. कुछ रिपोर्टों कहती हैं कि ये नाम उन्हें पार्टी के प्रति नए काम करने पर दिया गया होगा. (courtesy white house)

रेनगेड - वैसे आपको बता दें कि अमेरिकी की खुफिया एजेंसियां ये नाम खुद नहीं रखतीं बल्कि वो कुछ नाम तय करके अमेरिकी राष्ट्रपति को देती हैं. जिसमें वह पसंदीदा कोड नेम छांट लेते हैं. कई बार अमेरिकी प्रेसिडेंट खुद को ये कोड नाम देते हैं, जैसा बराक ओबामा ने किया, जिन्होंने अपना कोड नाम खुद तय किया जो रेनगेड था. वैसे आप चकित होंगे कि रेनगेड का अर्थ पाखंडी होता है. (मदहीूब- the atlantic)

मुगल - आमतौर पर अंग्रेजी में मोगल या मुगल उसे कहा जाता हो, जो किसी एंपायर का मालिक हो. डोनाल्ड ट्रंप चाहते थे कि अपना

कोड नाम खुद तय करें किया, लेकिन इसे सीक्रेट सर्विस ने ही चुना. जो शायद इसलिए भी रहा होगा, क्योंकि वह होटल और रियल एस्टेट एंपायर के सर्वेसर्वा थे. (nw18)

केल्टिक - मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन को अमेरिकी सीक्रेट सर्विस कोड नाम में केल्टिक कहती है. उन्हें ये नाम तब मिला था, जब वह उपराष्ट्रपति थे, शायद ये उनके आयरिश जड़ों से ताल्लुक रखता है.

किसी को विदा करते समय 'टा-टा' क्यों कहते हैं ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 अक्टूबर , जब भी हम किसी को विदा करते हैं तो बाय कहने के लिए टा-टा (TA-TA) बोलते हैं. यहां तक कि अपने घरवालों और साथियों के लिए भी हम यही शब्द इस्तेमाल करते हैं. ऐसा नहीं है कि किसी खास इलाके के लोग ऐसा करते हों, भारत के सभी क्षेत्रों में यह शब्द खूब इस्तेमाल होता है. यहां तक कि वाहनों पर भी लोग पीछे लिखवा लेते हैं. लेकिन कभी आपने सोचा कि आखिर गुडबाय के लिए लोग टा-टा ही क्यों बोलते हैं? यह शब्द आया कहां से? टा-टा बोलने के पीछे कहानी क्या है ? अजब गजब नॉलेज में आज जानते हैं इसी के बारे में...

हम टा-टा बोलते हैं. लेकिन इसका मतलब क्या है

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कुछ यूजर्स ने यही सवाल पूछा. जो जवाब आया वह बेहद दिलचस्प है. एक यूजर ने लिखा, यह टा-टा (TA-TA) शब्द सिर्फ भारत और पाकिस्तान में ही बोला जाता है. दुनिया के किसी और मुल्क में इसका इस्तेमाल नहीं होता. यहां तक कि अंग्रेज भी इसे नहीं बोलते. कई डिक्शनरी में बताया गया है कि ब्रिटिश अंग्रेजी के हिसाब से टा-टा शब्द का मतलब गुडबाय से है. तो फिर अंग्रेज इसका इस्तेमाल क्यों नहीं करते? इस सवाल का जवाब जानने के लिए 250 साल पीछे जाना होगा.

टा-टा कोई शब्द ही नहीं

हालांकि, एक यूजर के मुताबकि टा-टा कोई शब्द ही नहीं है. यह एक प्रकार का स्लैंग (SLANG)है. स्लैंग वे शब्द होते हैं जो क्षेत्रीय भाषा से एक अपमान सूचक शब्द के रूप में निकले होते हैं. कहा तो यहां तक जाता है कि अंग्रेज महलिाएं भारतीय स्त्रियों और उनके बच्चों को पुकारने के लिए इस शब्द का इस्तेमाल करती थीं. हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं मिलती. कुछ यूजर्स का कहना है कि "टाटा" शब्द उर्दू भाषा से लिया गया है जिसका अर्थ होता है "फिर मिलेंगे" या "अलविदा".

मानव शरीर की ये 10 रोचक बातें हैरान कर देंगी आपको

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 अक्टूबर : मानव शरीर ईश्वर की एक सुंदर रहस्यमयी संरचना है, जिस पर प्रतिदिन शोध कर के इसके नए नए पहलू सामने आते रहते हैं। इसकी कई बातें चौंका देती हैं तो कई गोपनीय जानकारियां सोचने पर मजबूर कर देती हैं। इसके सभी अंग अपने आप में अद्भुत हैं जिनकी पूरी तरह से विस्तृत जानकारी अभी भी नहीं मिल सकी है।

आइए जानते हैं इस मानव शरीर की 10 अद्भुत बातें प्रेगनेंसी में बच्चे करते हैं मां का बचावः प्रेगनेंसी के दौरान फीटो मेटरनल माइक्रो चिमेरिज्म नाम की एक सुंदर प्रक्रिया होती है जिसमें जब मां को चोट लगती है तो गर्भ में पल रहा बच्चा मां की चोट को ठीक करने के लिए स्टेम सेल भेजता है।इंसान के मुंह में हर दिन 720 मिलीलीटर से लेकर 1.5 लीटर लार बनती है।पुरुषों में दाढ़ी के बाल सबसे तेजी से बढ़ते हैं। अगर कोई पुरुष पूरे जीवनकाल में शेविंग न करे तो उसकी दाढ़ी 30 फुट लंबी हो सकती है।जब हम छींकते हैं, तो आंखों को खोलकर रखना नामुमकिन होता है, क्योंकि मस्तिष्क छींकते समय आंखें बंद करने के सिग्नल भेजता है और एक छींक 100 मील प्रति घंटे की रफ्तार से आती है।भोजन को मुंह से पेट तक पहुंचने में केवल 7 सेकंड का समय लगता है। वहीं, पेय पदार्थ को मात्र 1 या 2 सेकंड लगते हैं।शरीर के

कुल कैल्शियम का 99 प्रतिशत से अधिक दांतों और हड्डियों में पाया जाता है।एक वयस्क मानव के लिए केवल एक कदम उठाने से 200 मांसपेशियों का उपयोग होता है। इस हिसाब से अपने दस हजार कदम उठाने में आप अपनी मांसपेशियों से कितना काम लेते हैं इसका अंदाजा आप खुद लगा लें।आपके थूक में आपका पूरा आनुवंशिक ब्लूप्रिंट होता है। आपके लार में मुंह की कोशिकाओं का डीएनए होता है जिससे सभी आनुवांशिक जानकारी मिल सकती है।आर्टिकुलरिस ऑक्यूपाई जो आंखों को झपकाती हैं, मनुष्य के शरीर में सबसे तेज़ मांसपेशियां होती हैं। वे एक सेकंड के 100वें हिस्से से कम में अपना काम करती हैं। सिर्फ एक दिन में, कोई व्यक्ति 20,000 बार अपनी आंखें झपका सकता है।सबसे अधिक हार्ट अटैक सोमवार के दिन आते हैं। ऐसा सोमवार को काम करने के प्रेशर के कारण हो सकता है।

डबल रोटी को डबल रोटी क्यों बोलते हैं ? जानिए अनोखी कहानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 अक्टूबर , भारत में बहुत से लोग ऐसे हैं जो ब्रेड को डबल रोटी कहते हैं. आप गांव साइड जब जाएंगे तो ये शब्द आपको सुनने को मिल जाएगा. ऐसा क्यों कहा जाता है? इसका अब तक कोई बेहद ठोस जवाब नहीं मिला है. कहा जाता है कि इंडिया में ब्रेड सबसे पहले पुर्तगालियों ने लाया था. उस समय ब्रेड स्लाइस की तरह काट कर नहीं दिया जाता था. तब उसे मोटे चौकोर आकार में नहीं बेचा जाता था. आइए इसके बारे में और

ब्रेड को डबल रोटी क्यों बोलते हैं?

एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है- कोरा. उसपर किसी ने लिखा कि डबल रोटी इस बात के बाद से सामने आया था, जब अंग्रेजों ने इंडिया में सैंडविच पेश किया था. उस वक्त मूल निवासियों ने उस सैंडविच को 'डबल रोटी' कहा था क्योंकि उसमें ब्रेड के दो स्लाइस थे. उसमें अंदर मांस और सब्जियां भरी हुई थीं. यह बात आज भी देखने को मिलती है. वो अलग बात है कि सैंडविच की वेराइटी अलग-अलग हो गई है. ध्यान देने वाली बात यह है कि रोटी तो हमारा देशज शब्द है और डबल वर्ड अंग्रेजी भाषा से लिया गया है.

पुर्तगालियों से है कनेक्शन

वैसे ब्रेड इंडिया के लिए विदेशी रही है. हमारी भारतीय ब्रेड मूल रूप से चपटी होती है, जिसमें अधिकतर चपाती, रोटी, पराठा, नान या पूरी शामिल है. ब्रिटिश काल के दौरान इंडिया में बेक्ड वेस्टर्न ब्रेड काफी लोकप्रिय हुआ करती थी. अंग्रेजी वेबसाइट न्यूज 18 पर छपी एक खबर के मुताबिक, 3000 ईसा वर्ष पूर्व मिस्र में डबल रोटी की शुरुआत हुई थी. मिस्र के मकबरे में डबल रोटी बनाने के नमूने मिलते हैं. दुनिया के अलग-अलग देशों में डबल रोटी तैयार करने के प्रमाण मिलते हैं. अभी भी कुछ कंट्री में ऐसी रोटी बनती है....

भ्रष्टाचार विरोधी जांचों में आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस से क्रान्तिकारी बदलाव आए हैं : राजा श्रीवास्तव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 09 अक्तूबर। वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित 49वीं अखिल भारतीय पुलिस साइंस कांग्रेस के प्रथम सत्र 5जी युग में पुलिस व्यवस्था पुलिसिंग इन 5- जी ऐरा के अन्तर्गत चर्चा हुई। अपर पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश राजा श्रीवास्तव ने बताया कि भ्रष्टाचार विरोधी जांचों में आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से क्रान्तिकारी बदलाव आए हैं। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक का उपयोग कर अल्प समय में डेटा का विश्लेषण कर जाचों को समय से किया जा सकता है। अपराधियों की डिजिटल बिहेवियर रिपोर्ट जांच में काफी मदद देती है। वर्तमान समय में कई जांचों में फाइनेंसियल, बिहेवियर एनालिसेस का प्रयोग कर अच्छे रिजल्ट मिले हैं, जो साक्ष्यों को माननीय न्यायालय में मजबूत आधार प्रदान करते हैं। उन्होने विशेष रूप से कहा कि कानून प्रवर्तन एजेन्सियों एवं अन्य विभागों के बीच डेटा शेयरिंग भी काफी महत्वपूर्ण है। साइबर सुरक्षा के लिए संयुक्त निदेशक, सूचना ब्यूरो ने प्रकाश डाला। उन्होने कहा कि पुलिस से संबंधी संस्थाओं के लिए डेटा की सुरक्षा काफी महत्वपूर्ण है। आधुनिक तकनीक के इस युग में साइबर हाइजीन युक्त होने की आवश्यकता है। उन्होने बताया कि विभिन्न कार्यों हेतु आईपी कैमराज का उपयोग हो रहे हैं। आईपी कैमराज के नेटवर्क को सिक्योर करना साइबर सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

बीएस जयसवाल, संयुक्त कमीशनर दिल्ली पुलिस ने जियोसपैटियल तकनीक व बिग डाटा एनालिसिस के प्रयोग के आधार पर प्रभावी सीमा प्रबन्धन पर प्रकाश डाला। उन्होंने नई तकनीकों जैसे जीआईएस, जीपीएस, जियोडोम का उपयोग कर कार्यप्रणाली में सुधार के लिए जोर दिया।

'लिफ्ट में फंसी स्कूली बच्ची' आपके लिए सबक है ये खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 अक्टूबर , वो बच्ची लिफ्ट में रो रही थी। वो जोर-जोर से पैर पटक रही थी। वो भगवान से खुद को बचाने की प्रार्थना कर रही थी। ये दृश्य किसी भी माता-पिता का कलेजा मुंह को आ जाएगा। लिफ्ट में फंसी बच्ची का 1.23 मिनट का वीडियो वायरल हुआ तो लखनऊ के जनेश्वर एनक्लेव अपार्टमेंट की ये अलर्ट करने वाली खबर सामने आई है। ये घटना सभी माता-पिता की आंखें खोलने वाली हैं। इस घटना में लिफ्ट मेंटनेंस टीम की लापरवाही पर तो जरूर चर्चा होनी चाहिए लेकिन क्या पैरेंट्स को इससे सबक नहीं लेना चाहिए? आप कितने भी व्यस्त हों। आप कितने भी जल्दी में हों। बच्चे को लिफ्ट में तो अकेले मत जाने दो।

ये घटना तो किसी के भी साथ हो सकती है

एक छोटी सी लड़की स्कूल की ड्रेस में थी , जोकि लिफ्ट में फंस गई. उसे लिफ्ट के अंदर रोते हुए और बाहर आने की कोशिश करते हुए तस्वीर में देखा जा सकता है. लड़की को लिफ्ट के दरवाजों को पीटते और लात मारते हुए देखा जा सकता है, जबकि वह जोर-जोर से किसी से दरवाजा खोलने और उसे बाहर निकालने की गुहार लगा रही है. कुछ देर बार वह काफी डर गई और जोर-जोर से चिल्लाने लगी.

पैरेंट्स के लिए भी सबक

इस खबर को पढ़ने के बाद पैरेंट्स को भी सबक मिला है। आखिर कैसे इतनी छोटी बच्ची को लिफ्ट में अकेले जाने दिया गया? इतनी छोटी बच्ची के साथ किसी बड़े का ना होना लापरवाही दिखाता है। अगर इस बच्ची के साथ कोई बड़ा शख्स होता तो वो इतना नहीं डरती। उसके चेहरे का डर हमारी भी लापरवाही को दर्शाता है। लिफ्ट में 12 साल के कम उम्र के बच्चे को अकेले नहीं जाने देने का बोर्ड लगा होता है। फिर इस बच्ची को कैसे अकेले लिफ्ट में जाने दिया। यानी लापरवाही तो हमारी तरफ से भी हुई है।

लाखों की ज्वेलरी चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल , 9 , अक्टूबर , खबर बताने से पहले पढ़िए शातिर अपराधी की घटाओं का ब्यौरा -

घटना क्रम-1 कुवंर सिंह चौहान निवासी नूतन कालोनी, हिम्मतपुर तल्ला ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति के द्वारा उनके घर पर चोरी की घटना को अन्जाम दिया गया है। जिसके आधार पर थाना मुखानी में मुकदमा पंजीकृत किया गया।

घटना क्रम-2 सुरेन्द्र सिंह बिष्ट पुत्र किशन सिंह निवासी भगवानपुर रोड, लोहरियासाल तल्ला ने बताया कि उनके घर पर चोरी की घटना को अन्जाम दिया गया है। जिसके आधार पर थाना मुखानी पर मुकदमा पंजीकृत किया गया। दोनों मुकदमों की विवेचना उ0नि0 गुरविन्दर कौर द्वारा सम्पादित की जा रही है।

एसएसपी नैनीताल प्रहलाद नारायण मीणा,ने थाना मुखानी क्षेत्र में घटित चोरी/नकबजनी की उपरोक्त घटनाओं के जल्द खुलासे के लिए क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी एवं थानाध्यक्ष मुखानी को दिशा निर्देश दिये गये। हरबन्स सिंह एस.पी. सिटी हल्द्वानी के मार्गदर्शन एवं भूपेन्द्र सिंह धौनी क्षेत्राधिकारी हल्द्वानी के निकट पर्यवेक्षण में रमेश बोहरा थानाध्यक्ष मुखानी के नेतृत्व में पुलिस टीमें गठित की गयी ।

थाना स्तर पर गठित पुलिस टीमों द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए आरोपियों की संदिग्धों से पूछताछ की गयी। क्षेत्र में मुखबिर लगाये गये तथा घटनास्थलों के आसपास लगे लगभग 100-120 सीसीटीवी कैमरे खंगाले गये। अथक प्रयासों द्वारा पुलिस टीम को अभियुक्त के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण पुख्ता जानकारी मिली जिसके तहत मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी को रौले की पुलिया के पास आर0के0 टैंट रोड के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त राजकुमार राठौर राजविहार कालोनी, फेस-2 थाना मुखानी जनपद नैनीताल का निवासीहै जिसकी उम्र-23 वर्ष है। उसके पास से एक जोडी झुमके पीली धातु, एक जोडी टाप्स, एक मंगलसूत्र पीली धातु व 3600 रुपये और एक जोड़ी झुमके पीली धातु, एक जोडी हाथ के कड़े पीली धातु व एक मंगलसूत्र भी बरामद किया गया है।

चम्पावत पहुंचे स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने किया अस्पतालों का दौरा

- डॉ आर राजेश कुमार ने परखी स्वास्थ्य सुविधाओं की जमीनी हकीकत
- चंपावत के सरकारी अस्पतालों में थपथपाई अधिकारियों की पीठ
- मरीजों के इलाज में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतने के दिये निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 अक्टूबर , स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार द्वारा डेंगू के बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए उप जिला चिकित्सालय टनकपुर, जिला चिकित्सालय चम्पावत, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चलथी चंपावत, उप जिला चिकित्सालय लोहाघाट का निरीक्षण किया गया I स्वास्थ्य सचिव ने डेंगू बीमारी को रोकने के लिए अस्पताल में डेंगू वार्ड, मच्छरदानी की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए I चिकित्सालय में पानी की निकासी, साफ़ सफाई और दवा के छिडकाव की उचित व्यवस्था करने को कहाIनिरीक्षण के दौरान उन्होंने चिकित्सालय में एमरजेंसी दंत रोग विभाग, पैथोलॉजी लैब महिला वॉर्ड में अती महिलाओं एवं प्रसव से सम्बंधित विभिन्न प्रकार की व्यवस्थाएं व भर्ती मरीजों का हाल जाना। राजेश कुमार ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से वार्ता करने के साथ ही अस्पताल से उन्हें दी जा रही विभिन्न सुविधाओं की जानकारी ली।

उत्तराखंड सरकार की ओर से मरीजों को निशुल्क जांच सुविधा के लिए संचालित चंदन लैब का भी निरीक्षण करते हुए पंजिका में जांच से संबंधित विवरणों और बीमारियों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान चिकित्सालयों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला चिकित्सालय में प्रत्येक मरीज को बेहतर उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए।इसके साथ ही, स्वास्थ्य सचिव ने स्थानीय जनता से संवाद स्थापित कर केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी दी साथ ही उनसे योजनाओं का फीडबैक भी लिया। स्वास्थ्य सचिव ने वैलनेस सेंटरों में जाकर अवस्थपना सुविधाओं आवश्यक चिकित्सा उपकरणों, औषधियों एवं विभिन्न संवर्गों में कार्यरत कार्मियों की स्थिति का अवलोकन किया। स्वास्थ्य सचिव के साथ विभागीय अधिकारियों ने आयुष्मान कार्ड एवं आभा आईडी बनाने के लिए आम लोगों को प्रेरित किया साथ ही टीबी मुक्त उत्तराखंड की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अब तक किये गये प्रयासों की भी जानकारी दी।

इस दौरान सीएमओ के के अग्रवाल ने स्वास्थ्य सचिव से टनकपुर उप जिला हॉस्पिटल में ब्लड बैंक और HIV से ग्रसित लोगों के लिए लिंक ART सेंटर की सुविधा जल्द शुरू की जाएगी।

स्वास्थ्य सचिव ने स्पेशलिस्ट डॉक्टर की जल्द नियुक्ति करने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि टनकपुर हॉस्पिटल में ट्रामा सेंटर संचालित करना उनकी प्राथमिकता है। स्वास्थ्य सचिव ने स्वास्थ्य विभाग चम्पावत की बैठक ली। जिसमें उन्होंने जिले के सभी लोगों की आभा आईडी और आयुष्मान कार्ड बनाने को कहा। उन्होंने कहा, पहाड़ों में लोगों की आर्थिक स्थिति इतनी नहीं होती की वो महंगा इलाज करवा सकते। सरकार आयुष्मान आप के द्वार योजना के तहत आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए ग्रामसभा में कैंप लगाने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य निदेशक कुमाऊं मंडल डॉ0 तारा आर्या जिलाधिकारी नवनीत पाण्डेय, सीएमओ डॉ0 केके अग्रवाल, सीडीओ आर एस रावत, एडीएम हेमन्त वर्मा सीएमएस - डॉ घनश्याम तिवारी, एसीएमओ डॉ0 इंद्रजीत पांडे, डॉ0 कुलदीप यादव, सीएमएस जिला हॉस्पिटल चंपावत पी एस खोलिया,खाद्य निरीक्षक अनिल कुमार मिश्रा डीपीएम गौरव पांडे, सहित अन्य मौजूद रहे।

संपादकीय

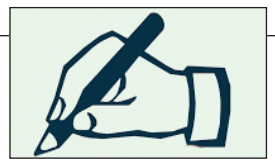

107 पार भी जाना है

हम आज हांगझाउ, चीन एशियाई खेलों का उपसंहार लिख रहे हैं। चीन और जापान विश्व स्तर पर भी खेलों के 'चैम्पियन देश' हैं। हम उनकी होड़ में नहीं हैं और न ही वह हमारा लक्ष्य होना चाहिए। भारत ने अपनी गरीबी और साधनहीनता के साथ खेल की चुनौतियां देना शुरू किया था। हमने अपने राष्ट्रीय खेल 'हॉकी' का स्वर्णिम युग भी देखा और सुना है। उसका पतन भी दुखद रहा है, लेकिन अब 'एशियाई चैम्पियन' बनकर हॉकी ने पुराने दौर को जिंदा रखने की कोशिश की है, यह एहसास बेहद सुखद है। भारतीय हॉकी आज विश्व में तीसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया को छोड़ कर हमने सभी देशों की हॉकी को परास्त किया है। हमारे खिलाडियों की मेहनत, जुनून और उनका हुनर अब भारत को 'ओलंपिक चैम्पियन' भी बनाएगा, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए। क्रिकेट की पुरुष-महिला टीमों को स्वर्ण पदक... बैडमिंटन युगल मुकाबले के चैम्पियन...कबड्डी की दोनों टीमों के गले में 'पीला तमगा'...कमाल की सटीक तीरंदाजी में 'स्वर्णिम बौछार' हुई। इस खेल में भारत ने रिकॉर्ड 9 पदक हासिल किए हैं, जिनमें 5 स्वर्ण पदक शामिल हैं। स्क्वैश में भी भारत 'स्वर्णिम महारथी' बना रहा। हमारे अचूक निशानेबाजों ने 'स्वर्णिम लक्ष्य' भेदे। सिफ्ट कौर सामरा ने 50 मीटर राइफल स्पर्धा में विश्व कीर्तिमान स्थापित कर नया इतिहास लिखा। रुद्रांक्ष, दिव्यांश और ऐश्वर्य ने भी विश्व कीर्तिमान के साथ भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। हमारे खिलाडियों के हिस्से चांदी खूब बरसी है और कांस्य पदक भी गले में सजे हैं। यकीनन यह भारतीय खेल के पुनरोत्थान और ताकत का दौर है। एशियाई खेलों में भारत ने कुल 28 स्वर्ण पदक समेत 38 रजत और 41 कांस्य पदक जीत कर शतक को भी पार किया है। खेल के अंतिम दिन शनिवार को भारत ने 6 स्वर्ण सहित 12 पदक जीत कर कीर्तिमान बनाया है। 2018 के जकार्ता एशियाड में भारत ने 16 स्वर्ण समेत कुल 70 पदक जीते थे। इस बार हमने 107 पदक हासिल किए हैं। 'इस बार सौ के पार' का सूत्रवाक्य भी हमारे खिलाडियों ने जीवंत और साकार कर दिया है। एशियाड के 72 सालों में पहली बार भारत ने शतक पार पदक जीते हैं। यह उपलब्धि आकस्मिक नहीं है। यदि बेटों ने 52 पदक (15 स्वर्ण, 19 रजत, 18 कांस्य) जीते हैं, तो बेटियां भी 46 पदकों (9 स्वर्ण, 17 रजत, 20 कांस्य) के साथ पीछे नहीं रही हैं। नौ पदक बेटे-बेटियों ने मिलकर मिश्रित मुकाबलों में भी जीते हैं। हमारे स्वर्णिम खिलाडियों ने विश्व कीर्तिमान भी स्थापित किए हैं। शाबाशी इसकी भी देनी चाहिए कि एशियाई खेलों के पदकवीरों की सूची में अब भारत चौथे स्थान पर रहा। यह उपलब्धि भी 37 लंबे सालों के बाद अर्जित की गई है। बैडमिंटन का उल्लेख खासतौर पर किया जाना चाहिए, क्योंकि सात्विक रांकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी अब विश्व में 'नंबर वन' हो जाएगी। यह अभूतपूर्व उपलब्धि है। इस जोड़ी ने पहली बार बैडमिंटन में भारत के माथे स्वर्ण-ताज सजाया है। चीन, जापान, मलेशिया, कोरिया आदि देश एशिया में बैडमिंटन के 'चैम्पियन गढ़' रहे हैं। उनकी चुनौतियों को ध्वस्त करके भारतीय जोड़ी ने हमारी झोली में 'स्वर्ण पदक' डाला है। अब लक्ष्य को हासिल करके रुकना नहीं है। यह 107 का सम्मानित आंकड़ा सिर्फ 'अद्र्धविराम' है।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

उत्तराखंड की उड़नपरी बनी सोनिया को बधाई : डॉ0 आर. राजेश कुमार

- रेड रन मैराथन 2023 में राज्य का बजा डंका
- विजेता सोनिया को स्वास्थ्य सचिव ने दी बधाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 अक्टूबर , राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के अन्तर्गत राष्ट्रीय स्तर की प्रथम रेड रन मैराथन 2023 का आयोजन गोवा में किया गया, जिसमें उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति उत्तराखंड की ओर से युवा प्रतिभागी प्रियांशु चौधरी, आदर्श यादव सोनिया एवं अनीशा द्वारा प्रतिभाग किया गया। उत्तराखण्ड राज्य के हरिद्वार जनपद की धावक कुमारी सोनिया ने राष्ट्रीय स्तर की रेड रेन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया जो कि उत्तराखण्ड के लिए बहुत की गौरव की बात है क्योंकि इस प्रतियोगिता में पूरे भारत के 28 प्रदेशों एवं 08 संघ शासित प्रदेशों के द्वारा प्रतिभाग किया गया था।

इससे पूर्व राज्य स्तर पर रेड रेन प्रतियोगिता का आयोजन देहरादून में किया गया था जिसमे बालक वर्ग में प्रयांशु चौधरी द्वारा प्रथम एवं आदर्श यादव द्वारा द्वितीय तथा बालिका वर्ग में सोनिया द्वारा प्रथम तथा अनीशा द्वारा द्वितीय स्थान प्राप्त किया गया। गोवा में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की रेड रन मैराथन प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली उत्तराखंड की धावक कुमारी सोनिया को गोवा के मुख्यमंत्री डॉ प्रमोद सावंत द्वारा ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र एवं पचास हजार रूपये का नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में उत्तरखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति के अपर परियोजना निदेशक डॉ0 अजय कुमार नगरकर, उप निदेशक वित्त, महेन्द्र कुमार, अनुभाग सहायक विनोद कुमार स्पोटर्स कॉलेज के कोच हेमराज सिंह उप-प्रधानाचार्या मीना सिंह उपस्थित थे। इस अवसर पर पूरे कार्यक्रम में उत्तराखंड राज्य की टोपी छायी रही जिसे उत्तराखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति के अपर परियोजना निदेशक डॉ० अजय कुमार द्वारा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की अपर सचिव एवं महानिदेशक हेकाली जिमोमी, नाको भारत सरकार की निदेशक निधि केशरवानी सहित कई राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों को भेट की गई।

इस अवसर पर उत्तराखण्ड के सचिव स्वास्थ्य/परियोजना निदेशक डॉ आर राजेश कुमार ने राज्य की तरफ से प्रतिभा करने वाले सभी प्रतिभागियों को भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी । इसके साथ ही एड्स नियंत्रण हेतु सक्रिय रूप से प्रतिभाग करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों की हौसला अफजाई की। उन्होंने कहा यह राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि है। इसे एक सकारात्मक संदेश न सिर्फ उत्तराखंड बल्कि पूरे देश में जाएगा। एड्स नियंत्रण को लेकर उत्तराखंड में अन्य राज्यों के मुकाबले बेहतर काम हो रहा है। हमारा प्रयास है कि जनसहभागिता व सरकारी प्रयासों से आने वाले समय में इसको पूरी तरह नियंत्रित किया जा सके।

गृह मंत्री अमित शाह ने मध्य क्षेत्रीय परिषद परिषद की 24वीं बैठक की अध्यक्षता की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में क्षेत्रीय परिषदों की भूमिका सलाहकार से बदलकर action platform के रूप में कारगर साबित हुई है
- पीएम मोदी ने हमेशा सहकारी संघवाद की भावना को मजबूत करने पर बल दिया है
- मध्यन क्षेत्रीय परिषद में शामिल राज्यी देश में कृषि, पशुपालन, अनाज उत्पादन, खनन, जल आपूर्ति और पर्यटन का प्रमुख केन्द्रi हैं,
- इन राज्यों के बिना जलापूर्ति की कल्पना ही नहीं की जा सकती
- मध्य क्षेत्रीय परिषद के राज्यों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के टीम इंडिया के कांसेप्ट को जमीन पर उतारा है
- गृह मंत्री ने कहा कि बच्चों में कुपोषण की समस्या को पूरी संवेदनशीलता के साथ दूर करना हम सबकी ज़िम्मेदारी है

देहरादून , 9 अक्टूबर , इस अहम बैठक में निर्णय लिया गया कि लाख उत्पादन को Revised Weather Based Crop Insurance Scheme में शामिल करने के लिए ICAR द्वारा अध्ययन किया जाएगा, इससे लाख उत्पादन से जुड़े किसानों को फायदा होगा। गृहमंत्री ने सहकारिता, स्कूली बच्चों की ड्रॉप आउट दर और कुपोषण जैसे मुद्दों को प्राथमिकता बताते हुए सभी सदस्य राज्यों से इन पर खास ध्यान देने को कहा। बैठक में कोदो और कुटकी उपज के मूल्य को रागी के MSP के बराबर तय करने का भी निर्णय लिया गया, इस फैसले से देशभर, विशेषकर मध्य क्षेत्रीय परिषद के सदस्य राज्यों के करोड़ों किसानों को फायदा होगा। 5 किमी के दायरे में हर गांव तक बैंकिंग सुविधा, देश में 2 लाख नई PACS के गठन, रॉयल्टी और खनन संबंधित मुद्दों और वामपंथी उग्रवाद-प्रभावित जिलों में बुनियादी सुविधाओं के निर्माण जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई

केन्द्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड के नरेन्द्र नगर में मध्यद क्षेत्रीय परिषद की 24वीं बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हिस्सा लिया। बैठक में छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू और केन्द्रीय गृह सचिव, अंतर राज्य परिषद सचिवालय की सचिव, सदस्य राज्यों के मुख्य सचिव और राज्य सरकारों तथा केंद्रीय मंत्रालयों एवं विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आह्वान पर मध्य क्षेत्रीय परिषद ने एशियाई खेलों में भारत द्वारा पहली बार 100 से अधिक पदक जीतकर देश का नाम रौशन करने के लिए सभी खिलाड़ियों का करतल ध्वनि से अभिनंदन करते हुए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया। बैठक में मध्य क्षेत्रीय परिषद ने चंद्रयान-3 की शानदार सफलता, G20 सम्मेलन के सफल आयोजन और संसद द्वारा ऐतिहासिक महिला आरक्षण विधेयक पारित किए जाने का भी स्वागत किया।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में क्षेत्रीय परिषदों की भूमिका सलाहकार से बदलकर action platform के रूप में कारगर साबित हुई है। उन्होंने कहा कि मध्य क्षेत्रीय परिषद में शामिल राज्यों का देश के जीडीपी और विकास में बहुत बड़ा योगदान है। शाह ने कहा कि मध्य क्षेत्रीय परिषद में शामिल राज्य देश में कृषि, पशुपालन, अनाज उत्पादन, खनन, जलापूर्ति और पर्यटन का प्रमुख केन्द्र हैं, इन राज्यों के बिना जलापूर्ति की कल्पना ही नहीं की जा सकती।अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा सहकारी संघवाद की भावना को मजबूत करने पर बल दिया है, इसके तहत क्षेत्रीय परिषदों ने समस्याओं का समाधान निकालने, financial inclusion बढ़ाने और नीतिगत बदलावों में catalyst की भूमिका निभाई है।

शाह ने सहकारिता, स्कूली बच्चों की ड्रॉप आउट दर और कुपोषण जैसे मुद्दों को प्राथमिकता बताते हुए सभी सदस्य राज्यों से इन पर खास ध्यान देने को कहा। उन्होंने बच्चों में कुपोषण दूर करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस समस्या को पूरी संवेदनशीलता के साथ दूर करना हम सबकी ज़िम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 तक क्षेत्रीय परिषदों की 11 और स्थायी समितियों की 14 बैठकें हुईं, जबकि 2014 से 2023 तक क्षेत्रीय परिषदों की 25 और स्थायी समितियों की 29 बैठकें हुईं हैं। श्री शाह ने बताया कि 2004 से 2014 के बीच कुल 570 मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें से 448 को सुलझा लिया गया, जबकि 2014 से 2023 के बीच कुल 1315 मुद्दों पर चर्चा हुई जिनमें से 1157 मुद्दों को सुलझा लिया गया।

सर्वर 12/Playout/ उत्तराखंड

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी पहुंचे 13200 फीट की ऊंचाई पर चीन बॉर्डर के पास घस्तौली चौकी.. वहां तैनात आईटीबीपी जवानों का हौसला बढ़ाया...साथ ही वहां बह रही जल धारा को स्पर्श कर नमन किया... मुख्यमंत्री जी ने बद्रीनाथ धाम में बन रहे उत्तर प्रदेश के स्टेट गेस्ट हाउस का भी किया निरीक्षण... और श्रमिकों से मुलाकात कर जाना उनका हालचाल...

11 डेंगू मरीज ठीक होकर गए घर

बागेश्वर, 9 अक्टूबर । डेंगू का डंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है। जिला अस्पताल के डेगूं वार्ड में अभी 10 मरीज भर्ती हैं। रविवार को 11 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया। चिकित्सकों के अनुसार रोगियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। सभी के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। जिले में डेंगू रोगियों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। रविवार को 10 रोगियों का उपचार चल रहा है। जबकि 11 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया है। अभी तक 81 रोगी स्वस्थ हो गए हैं। जिला अस्पताल प्रशासन के पास डेंगू रोगियों के लिए 20 बेड हैं। जनरल वार्ड से ही अलग डेंगू वार्ड बनाया है। जिसके कारण जनरल वार्ड में बेड की कमी है। इधर, सीएमएस डा. विनोद कुमार टम्टा ने कहा कि दवाइयों की कोई कमी नहीं हैं। चिकित्सक रोगियों की विशेष निगरानी कर रहे हैं। सभी की हालत सामान्य है।

राष्ट्रीय स्तर पर बाक्सिंग प्रतियोगिता में खिलाडिय़ों ने मारी बाजी

पिथौरागढ़, 9 अक्टूबर । मध्य प्रदेश के उज्जैन में आयोजित अखिल भारतीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में हीरा देवी भट्ट विवेकानंद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर में शानदार प्रदर्शन रहा। लतिका बृजलाल,माही सयाना और बिक्रम दरियाल को स्वर्ण पदक तथा अजय वर्मा को रजत पदक प्राप्त हुआ। बॉक्सिंग कोच बबीता बसेड़ा को बेस्ट कोच पुरस्कार से नवाजा गया। विद्या भारती संस्थान को एसजीएफआई की सदस्यता होने से स्वर्ण पदक विजेताओं को महाराष्ट्र में होने वाले बाक्सिंग प्रतियोगिता में अपने खेल का जौहर दिखाने का मौका मिलेगा। सीमांत के खिलाडियों का मेडल लेकर लौंटने पर स्वागत किया गया। प्रधानाचार्य नवीन शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर अंडर-17 फुटबॉल के लिए तीन खिलाडियों का चयन हुआ है। इस अवसर पर जोहार क्लब अध्यक्ष केदार मर्तोलिया,अप्रवासी भारतीय राज भट्ट,अध्यक्ष प्रमोद कुमार द्विवेदी,मनोज सयाना,मंगल मर्तोलिया,प्रधानाचार्य शिशु मंदिर बंशीधर जोशी ने विद्यालय परिवार को बधाई दी।

रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट आज पहुंचेंगे पिथौरागढ़

पिथौरागढ़, 9 अक्टूबर । केंद्रीय रक्षा व पर्यटन राज्यमंत्री अजय भट्ट आज यहां पहुंचेंगे। केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री अजय सुबह बरेली से हेलीकॉप्टर के माध्यम से ज्योलिंगकांग पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दौरे को लेकर तैयारियों का जायजा लेंगे। इस दौरान वह बीआरओ के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी करेंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष गिरीश जोशी ने बताया कि बाद में वह जिला मुख्यालय पहुंचेंगे। यहां स्टेडियम में आयोजित सभा के संबध में भाजपा के जिलाध्यक्ष, विधायकों और आला पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।